भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 511
उत्तर देने की तारीख 23.07.2026

संग्रहालयों एवं अभिलेखागारों का डिजिटलीकरण

511. श्री के. आर. एन. राजेश कुमार :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संग्रहालयों एवं अभिलेखागारों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सार्वजनिक पहुँच में सुधार हुआ है; और

(घ) इसमें सुधार लाने के लिए कौन-कौन से उपाय किए गए हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): जी हाँ। संस्कृति मंत्रालय संग्रहालयों के संग्रहों और अभिलेखीय संसाधनों के डिजिटलीकरण के लिए सी-डैक, पुणे के तकनीकी सहयोग से विकसित 'जतन' सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटलीकरण पहल कार्यान्वित कर रहा है। म्यूजियम्स ऑफ इंडिया पोर्टल के माध्यम से एक राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी बनाई गई है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के आठ संग्रहालयों, दो एएसआई स्थल संग्रहालयों और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर संग्रहालय, पुणे के डिजिटलीकृत संग्रह उपलब्ध हैं। दिनांक 15.07.2026 की स्थिति के अनुसार 4,88,983 कलाकृतियों में से 3,75,707 कलाकृतियों का डिजिटलीकरण कर उन्हें ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया गया है **(अनुलग्नक-I)**। अब तक डिजिटलीकृत की गई वस्तुओं को निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: https://museumsofindia.gov.in/repository

मंत्रालय और उसके संगठनों द्वारा चरणबद्ध तरीके से संग्रहों और अभिलेखीय संसाधनों का डिजिटलीकरण भी किया जा रहा है। इसके अलावा, संग्रहालय अनुदान स्कीम के अंतर्गत

संग्रहालय संग्रहों के डिजिटलीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान, इस उद्देश्य के लिए इस स्कीम के अंतर्गत 25 लाख रुपए की वित्तीय सहायता संस्वीकृत की गई है।

संस्कृति मंत्रालय के तहत शुरू किए गए ज्ञान भारतम मिशन का उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को सुरक्षित रखना और इसकी सभ्यतागत ज्ञान परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए पुनर्जीवित करना है। इस संबंध में, वर्तमान में सार्वजनिक पहुंच के लिए ज्ञान भारतम पोर्टल पर 3.5 लाख से अधिक डिजिटलीकृत पांडुलिपियाँ उपलब्ध हैं, जिन्हें निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: **https://gyanbharatam.com/**

संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा मूल्यवान दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करने और अभिलेखीय रिकॉर्डों तक व्यापक पहुँच को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से अभिलेखीय रिकॉर्डों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय अभिलेखागार 30 करोड़ पृष्ठों के डिजिटलीकरण और 4.5 करोड़ पृष्ठों के संरक्षण की प्रक्रिया में है। परियोजना की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:

दिनांक 21.07.2026 तक डिजिटलीकृत इमेज की कुल संख्या 17,67,40,596 (लगभग 17.67 करोड़) है।

(ग) और (घ): जी हाँ। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डिजिटलीकृत संग्रहों की उपलब्धता और डिजिटल रिपॉजिटरी तथा खोजनीय डेटाबेस को सुदृढ़ करते हुए सार्वजनिक पहुँच को बढ़ाया गया है। साथ ही, डिजिटलीकृत अभिलेखीय रिकॉर्डों को एनएआई के समर्पित पोर्टल 'अभिलेख पटल' पर अपलोड किया जा रहा है ताकि शोधकर्ताओं, विद्वानों और आम जनता के लिए भारत की अभिलेखीय विरासत तक विश्वव्यापी पहुँच को सुगम बनाया जा सके। इसके आंकड़े अभिलेख पटल पोर्टल https://www.abhilekh-patal.in/ पर उपलब्ध हैं।

अनुलग्नक-I

'संग्रहालयों एवं अभिलेखागारों का डिजिटलीकरण' के संबंध में दिनांक 23.07.2026 को पूछे गए राज्य सभा अतांराकित प्रश्न संख्या 511 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

15 जुलाई, 2026 तक वेबसाइट पर उपलब्ध डिजिटलीकृत संग्रहों का तुलनात्मक विवरण				
क्र. सं.	**संग्रहालय का नाम**	**संग्रहालय में कलाकृतियों की कुल संख्या**	**वेबसाइट पर उपलब्ध**	**वेबसाइट पर उपलब्ध %**
1	राष्ट्रीय संग्रहालय	**206169**	**119255**	**57.84**
2	भारतीय संग्रहालय	**108000**	**91013**	**84.27**
3	विक्टोरिया मेमोरियल हॉल	29220	**28592**	**97.85**
4	सालार जंग संग्रहालय	48367	**48349**	**99.96**
5	इलाहाबाद संग्रहालय	70121	**63781**	**90.96**
6	एनजीएमए, नई दिल्ली	15929	**13578**	**85.24**
7	एनजीएमए, मुंबई	1461	1461	**100.00**
8	एनजीएमए, बेंगलुरु	534	**526**	**98.50**
9	एएसआई गोवा संग्रहालय	729	702	**96.30**
10	एएसआई, नागार्जुनकोंडा संग्रहालय	**8453**	8450	**99.96**
	कुल	**488983**	**375707**	**76.83**

*****